दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग में प्रार्थना सभा का आयोजन

सुश्री राजेश्वरी को उनकी 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में उपस्थित समूह स्टाफ व गणमान्य।

सवेरा न्यूज/सतीश शर्मा

जालंधर, 12 मई : एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस जालंधर ने एपीजे एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष स्व. डा. सत्य पॉल की पत्नी सुश्री राजेश्वरी को उनकी 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया। इसमें संस्थान के समूह स्टाफ ने शिरकत की। सभा को संबोधित करते हुए निदेशक डा. राजेश बग्गा ने कहा कि सुश्री राजेश्वरी पॉल एक दयालु और कोमल स्वभाव की

● अध्यात्म इंसानी जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है : डा. राजेश बग्गा

● कहा, सुश्री राजेश्वरी संस्कृत के श्लोकों, भक्ति गीतों और भजनों में थीं पारंगत

महिला थीं। वह भारतीय शास्त्रीय संगीत और घुड़सवारी की शौकीन थीं। साथ ही साथ वह एक बहुत ही आध्यात्मिक महिला थीं। वह संस्कृत के श्लोकों, भक्ति गीतों और भजनों में पारंगत थीं। डा. बग्गा ने रोजमर्रा के जीवन में विभिन्न संस्कृत श्लोकों जैसे 'वक्र तुंड महाकाय सूर्यकोटि समाप्रभा' और कर्पूरगौरं मंत्र के अर्थ और महत्व को भी स्पष्ट किया। उन्होंने दैनिक जीवन में ओम्... ध्वनि के जाप के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने व्यक्त किया कि राजेश्वरी पॉल जैसा आध्यात्मिक स्वभाव और आचरण इंसानी जीवन में सकारात्मकता लाता है और दूसरों में भी आशावाद का संचार करता है। उनका दयालु और सौम्य स्वभाव आसपास के सभी लोगों को आकर्षित करता था। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। वह उन दुर्लभ व्यक्तियों में से एक थीं, जो दूसरों से ऊपर उठकर कई लोगों के जीवन में आशा और विश्वास लाकर उनके जीवन को और अधिक सुंदर बना देती हैं। उन्हें भजन और भक्ति संगीत सुनने का भी बहुत शौक था। इस अवसर पर उनके कुछ पसंदीदा भजन जैसे 'रघुपति राघव राजा राम', 'हे राम हे राम', 'इतनी शक्ति हमें देना दाता', 'अल्लाह तेरो नाम' और संत कबीर के दोहे बजाए गए। सभा के आखिर में सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

JALANDHAR SAVERA Edition
May 13, 2023 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com